B.A. Sanskrit
संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Core Course for Sanskrit
सत्र- द्वितीय (Semester –II)

आधारभूत पत्र (Core paper)		**पूर्णाङ्क 100**
Paper Code BSA-C211	**संस्कृत- गद्य काव्य Sanskrit Prose**	**सत्रान्त परीक्षा : 70**
		सत्रीय मूल्याङ्कन : 30
		क्रेडिटः 06

प्रस्तावित पाठ्यक्रम -

खण्ड- क – शुकनासोपदेश (कादम्बरी)

खण्ड- ख - शिवराजविजयम् (प्रथम निश्वास)

खण्ड- ग - संस्कृत गद्यसाहित्य का सर्वेक्षण

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पारम्परिक संस्कृत गद्य साहित्य से परिचित कराना है । आधुनिक युग के प्रसिद्ध गद्य साहित्य शिवराजविजय को इस पाठ्यक्रम में छात्रों के लिये समाहित किया गया है, जिससे छात्र आधुनिक संस्कृत के प्रारम्भिक कालीन गद्य से परिचित होंगे । यह पाठ्यक्रम छात्रों को संस्कृत में स्वतन्त्र रूप से चिन्तन में प्रवीणता प्रदान करेगा ।

पाठ्यक्रम - अध्ययन परिणाम (Course Outcome) -

- इस पत्र के अध्ययन से छात्रों को संस्कृत के समृद्ध गद्य काव्यों का ज्ञान होगा ।
- उक्त ग्रन्थों में प्रतिपादित ऐतिहासिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक ज्ञान से छात्रों का जीवन उत्कृष्ट होगा ।

घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)

खण्ड – क (Section–A)
शुकनासोपदेश

घटक (Unit) –1 (क) परिचय- कवि व कृति एवं व्याख्या, **यथा यथा चेयं चपला दीप्यते** से **समाप्तिपर्यन्त** (प्रह्लादकुमारकृत व्याख्या में पृष्ठ संख्या 116 से)

घटक (Unit) –2 शुकनासोपदेशवर्णित सामाजिक एवं राजनैतिक विचारों की

प्रासंगिकता एवं जीवन में उपयोग।

खण्ड –ख (Section–B)

शिवराजविजयम् (प्रथम निश्वास)

घटक (Unit) –1 परिचय - कवि व कृति, व्याख्या- पैरा सं. 1 से 20 तक एवं व्याकरणात्मक टिप्पणियाँ ।

घटक (Unit) – 2 व्याख्या- पैरा संख्या 21 से अन्त पर्यन्त एवं व्याकरणात्मक-विश्लेषण, कवि की काव्यात्मक विशिष्टता तथा कथानकीय- योजना

खण्ड–ग (Section–C)

संस्कृत गद्यसाहित्य का सर्वेक्षण-

घटक (Unit)1– संस्कृत गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास, प्रमुख गद्यकवि- सुबन्धु, बाण, दण्डी एवं अम्बिकादत्त व्यास का सामान्य परिचय

घटक (Unit) 2 – पञ्चतन्त्र, हितोपदेश, बेतालपञ्चविंशतिका, सिंहासनद्वात्रिंशिका सामान्य परिचय।

सन्दर्भ ग्रन्थ -

1. शुकनासोपदेश, प्रह्लाद कुमार, मेहरचन्द लक्ष्मण दास, दिल्ली, १९७४
2. अम्बिकादत्त व्यास, शिवराज विजय, साहित्य भण्डार, मेरठ
3. उमाशंकर शर्मा ऋषि, संस्कृत साहित्य का इतिहास, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
4. बलदेव उपाध्याय, संस्कृत साहित्य का इतिहास, शारदा निकेतन , वाराणसी
5. राधावल्लभ त्रिपाठी, संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी